International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 10
October 2017

पी लो मस्ती का प्याला

अरुण कुमार शर्मा

न कभी पड़ेगा दर्दों-गम का पाला
जीवन है अनमोल
रखो सबसे मेलजोल
जीवन जिओ हरम
मेरे दोस्त, मेरे हमदम
पल-पल हर छण हर लम्हा
न रहना तू कभी तन्हा
न कभी घुट-घुट के जीना
जब जी करे पीना
करो जीवन में उजाला
पी लो मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
जिओ जीवन दिल खोल
मिले सफलता या असफलता
तू न जरा भी घबराना
जीवन के दुस्वरियों से न डरना
करते रहना सतत प्रयास
तू भी रचेगा एक इतिहास
खत्म होगा इंतजार का बेला
पी लो मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
आज तु भी बोल
रहेगा जबतक सांसों में साँस
न छोड़ूंगा आस
नहीं तेकुंगा कभी घुटना
जीवन को है जीना न की हारना
हम तो है मस्त मतवाला

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 10
October 2017

पी ले मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
धो दे सरे मैल
न रख मन में नफरत
कर ले तू भी मुहब्बत
मिलेगा मन-सम्मान
और नया पहचान
तू तो है दिलवाला
पी ले मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
जुबान को बंद रख, न खोल
सब जान जायेंगे राज
क्यों हैं आप नाराज?
भला क्या रूठना और मनाना
जीवन है अपना
पराया है सपना
तू भी रूठा है भला
पी ले मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
अपने मन को टटोल
अपने दुःख का कारण
दूसरा कोई नहीं, है अपना मन
दुःख-दर्द, सुख शांति
है सब मन की भ्रान्ति
होगा अंधकार से उजाला
पी ले मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
दुनिया तो है गोल
सब है इसी में गुल
दिल में चुभे यदि शूल
आँख से आँसू न बहाना
दर्द को दिल में छुपाकर मुस्कुरा देना

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 10
October 2017

दूसरों की ख़ुशी में खुश होना
जारी रखना ये शिलशिला
पी लो मस्ती का प्याला
जीवन है अनबोल
प्यार के दो मीठे बोल बोल
भुल जा सब दोखा दगा
तू बस ख़ुशी का गीत गा
ले ले जिन्दगी का मजा
रख मन को तरो-तजा
मीठी कर दे पीत विषैला
पी ले मस्ती का प्याला
जीवन है अनमोल
बेस्किमती, अति अनमोल
....